मासिक समाचार पत्र

परिसर

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय,मेरठ

नवंबर 2024 अंक

विश्वविद्यालय के नेताजी सुभाष चंद्र बोस सभागार में आयोजित 'परमवीर वंदनम' कार्यक्रम में स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान हुए काकोरी कांड की घटना पर नाट्य प्रस्तुति देते तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल के छात्र। (खबर पेज 4 पर)

क्यूएस एशिया रैंकिंग में यूपी में सीसीएसयू टॉप पर

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय को दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित क्यूएस रैंकिंग में उत्तर प्रदेश में पहला स्थान, साउथ एशिया में 222वां स्थान और एशिया में 701 से 750 रैंकिंग आने पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सीसीएसयू को सम्मानित किया।

16 नवंबर को विश्वविद्यालय के प्रो. मृदुल कुमार गुप्ता, प्रो. वीरपाल सिंह और प्रो. अनिल मलिक के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 10 छात्र–छात्राएं सम्मान प्राप्त करने के लिए राजभवन पहुंचे। सीसीएसयू के छात्र व छात्राओं ने कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल के हाथों से सम्मान प्राप्त किया। सम्मान प्राप्त कर विश्वविद्यालय पहुंचे छात्र–छात्राओं ने अनुभव साझा किया।

रैंकिंग में प्रदेश के छह विश्वविद्यालयों ने दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालयों की सूची में अपनी जगह बनाई है। चौधरी चरण सिंह विवि प्रदेश के राज्य विवि में टॉप पर है। क्यूएस रैंकिंग में सीसीएसयू लगातार दूसरे वर्ष अपना स्थान बनाने में सफल रहा है। रैंकिंग में दक्षिण एशियाई देशों के टॉप तीन सौ विश्वविद्यालयों में उत्तर प्रदेश के छह विश्वविद्यालय शामिल हुए हैं।

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ 222वीं रैंक के साथ उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में शीर्ष पर है। डीडीयू और लखनऊ विश्वविद्यालय संयुक्त रूप से द्वितीय जबकि छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय 263वीं रैंक के साथ तृतीय है। एमएमएमयूटी और महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखंड विश्वविद्यालय संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं।

राजभवन में कुलाधिपति से मिला प्रमाणपत्र कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला को सौंपते छात्र–छात्राएं।

सीसीएसयू से अब कीजिए डिस्टेंस लर्निंग कोर्स, यूजीसी ने दी मान्यता

छह जिलों के लोगों को मिलेगा फायदा, अभी पांच कोर्स होंगे शुरू

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा मोड में मान्यता दे दी है। अब यहां से छात्र डिस्टेंस लर्निंग कोर्स कर सकेंगे। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले और कामकाजी लोगों को घर बैठे कोर्स करने का फायदा मिलेगा। पांच नवंबर को कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी।

कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने बताया कि शुरुआत में बीबीए, एमए (आर्टस, एजुकेशन, पॉलिटिकल साइंस, अंग्रेजी), एमसीओ, एमकॉम, एमबीए, और एमबीए (फाइनेंस) जैसे कोर्स चलाए जाएंगे। इसके बाद बीए, बीकॉम समेत कई अन्य कोर्स भी शुरू किए जाएंगे।

कुलपति ने बताया कि चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय को यह मान्यता मिलने से विवि की प्रतिष्ठा बढ़ी है। इससे छात्र–छात्राओं के जीवन में भी सकारात्मक बदलाव आएगा। कुलपति ने कहा कि इसका सबसे ज्यादा लाभ महिलाओं को मिलेगा। शादी के बाद भी वे घर में रहकर पढ़ाई कर सकेंगी। मेरठ, गाजियाबाद, बागपत, गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर और हापुड़ के लोगों को इसका बड़ा लाभ मिलेगा।

इन बिंदुओं पर मिली यूजीसी से मान्यता

- राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान का नैक स्कोर कम से कम 3.01 होना चाहिए। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय का नैक स्कोर 3.66 है।
- राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) : मान्यता प्राप्त करने के लिए संस्थान ने एनआईआरएफ की विश्वविद्यालय श्रेणी में शीर्ष 100 में कम से कम दो बार स्थान प्राप्त किया हो।

डिस्टेंस लर्निंग में सुविधा

जो छात्र रेगुलर कॉलेज नहीं जा सकते हैं, उनको उच्च शिक्षा की पढ़ाई करने में मदद मिलेगी। जो लोग नौकरी करते हैं या जो छात्र प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं, वे भी ग्रेजुशन और पोस्ट ग्रेजुशन की डिग्री ले सकेंगे। यहां पर सप्ताह में एक बार या फिर ऑन लाइन क्लास ही चलेगी।

छात्र–छात्राओं के लिए टाइम्सप्रो एप लांच किया

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए टाइम्सप्रो कंपनी ने एप लांच किया है। टाइम्सप्रो के इस एप के माध्यम से छात्रों को न केवल अपने कौशल में वृद्धि करने का अवसर मिलेगा, बल्कि उनके लिए रोजगार के बेहतरीन अवसर भी उपलब्ध होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. संगीता शुक्ल ने की।

छात्रों के कौशल विकास, प्लेसमेंट, ऑनलाइन कोर्स के लिए करेगा काम

मुख्य अतिथि टाइम्सप्रो के सीईओ अनीश श्रीकृष्णा ने कहा कि यह एप छात्रों के लिए सरल, सुलभ और प्रभावी संसाधन है, जो विभिन्न सेवाओं जैसे स्किल असेसमेंट, कॅरिअर काउंसिलिंग, अपस्किलिंग कोर्सेज और जॉब पोर्टल के माध्यम से उनके कॅरिअर निर्माण को नई दिशा देगा। ऐप की विशेषताओं में सबसे पहले स्किल असेसमेंट शामिल है, जिसके तहत छात्रों का कौशल और रुचि का विश्लेषण किया जाएगा, जिससे उन्हें अपने कॅरिअर के लिए सही दिशा मिल सके। प्रशिक्षित कॅरिअर कोच छात्रों के साथ व्यक्तिगत रूप से काम करेंगे।

कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने कहा कि इस साझेदारी को छात्रों के भविष्य निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। सूक्ष्म जीव विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. जितेंद्र सिंह ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों की जानकारी दी। रोजगार प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो. शैलेंद्र सिंह गौरव ने कहा कि रेज्यूमे बिल्डर की सुविधा भी एप में दी गई है, जहां उद्योग– उपयुक्त टेम्पलेट्स के माध्यम से छात्र अपना रेज्यूमे तैयार कर सकते हैं और इसे अनलिमिटेड डाउनलोड कर सकते हैं।

इस दौरान टाइम्सप्रो के नेशनल सेल्स हेड गौरव, वरुण जिंदल, डॉ. लक्ष्मण नागर, डॉ. नितिन गर्ग, प्रो. राकेश शर्मा आदि मौजूद रहे।

अजय मित्तल नहीं रहे, तिलक स्कूल में शोकसभा में दी गई श्रद्धांजलि

परिसर संवाददाता

मेरठ। सांगठनिक कौशल के धनी, कलम के सिपाही, मिनी गूगल एवं एनसाइक्लोपीडिया के नाम से विख्यात, पत्रकारिता के सशक्त हस्ताक्षर और उद्बोधन कला से सबको मंत्रमुग्ध करने वाले आरएसएस के पूर्व प्रांच प्रचार प्रमुख और विश्वविद्यालय स्थित तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल के अतिथि आचार्य श्री अजय मित्तल का 72 वर्ष की आयु में 12 नवंबर को हृदयगति रुकने से निधन हो गया। वह अपने परिवार में पत्नी, एक पुत्र एवं एक पुत्री को छोड़कर गोलोक गमन कर गये।

अजय मित्तल जी का जन्म 3 फरवरी, 1952 को मेरठ में हुआ था। अजय मित्तल की प्राथमिक शिक्षा सरस्वती शिशु मंदिर, पूर्वा महावीर से हुई। बाद में उन्होंने एम.एस.सी. फिजिक्स मेरठ कॉलेज से उत्तीर्ण किया। रामानन्द सागर द्वारा निर्देशित रामायण धारावाहिक में राम की भूमिका निभाने वाले एवं मेरठ–हापुड़ लोकसभा क्षेत्र के वर्तमान सांसद अरुण गोविल भी अजय मित्तल जी के सहपाठी

रहे। वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लगभग 65 वर्षों से स्वयंसेवक थे। वह संघ के मेरठ प्रान्त के सह–प्रचार प्रमुख, बाद में मेरठ प्रान्त प्रचार प्रमुख रहे।

पिछले बीस वर्षों से अधिक से वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मेरठ प्रान्त की जागरण पत्रिका 'राष्ट्रदेव' के सम्पादक भी थे। इसके अतिरिक्त प्रज्ञा प्रवाह के क्षेत्र संयोजक का दायित्व का भी निर्वहन कर रहे थे। श्री अजय मित्तल चौधरी चरण विश्वविद्यालय के तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में 2015 से अतिथि आचार्य के नाते भी अपनी सेवायें दे रहे थे।

तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में अजय मित्तल के निधन पर शोक सभा हुई। निदेशक प्रो. प्रशांत कुमार ने कहा कि अजय मित्तल का जाना तिलक स्कूल और समाज के लिए अपूर्णीय क्षति है, जिसे कभी पूरा नहीं किया जा सकता। डॉ. मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि वह विभाग के संरक्षक की भूमिका में हमेशा रहते थे। उनके द्वारा दिखाए गए रास्ते पर चलना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस दौरान डॉ. दीपिका वर्मा, लव कुमार, बीनम यादव, मनु कौशिक, मितेंद्र कुमार गुप्ता, राकेश कुमार, ज्योति वर्मा, आदि मौजूद रहे।

रक्तदान शिविर : दीनबंधु सर छोटूराम जी की जयंती के उपलक्ष्य में सर छोटूराम अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर रहे विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि यह मानवता की सच्ची सेवा है।

नेट परीक्षा में मेरठ के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

मेरठ। राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) में चौधरी चरण सिंह विवि और शहर के होनहारों ने शानदार प्रदर्शन किया है। शहर में 50 से अधिक विद्यार्थी नेट में सफल रहे हैं। मेरठ मंडल के कॉलेजों में यह संख्या 150 से अधिक है। सीसीएसयू से संबंधित कॉलेजों में इतने ही छात्र पीएचडी प्रवेश परीक्षा पास करने में भी सफल रहे हैं।

समाजशास्त्र विभाग में तनु, सुप्रिया और सुमित ने नेट पास किया है जबकि पूजा एवं अनीता ने पीएचडी प्रवेश परीक्षा में अव्वल रही।

शिक्षा विभाग से कनिका चौहान एवं मोहित शर्मा ने जेआरएफ जबकि आयुषी, दीपांजलि, तनु शर्मा, प्रीति, गुड़हल त्यागी, आकांक्षा, हिमानी पाल एवं अनिल कुमार ने नेट उत्तीर्ण किया है।

जागृति विहार निवासी डॉ. मुनेंद्र कुमार चौथी बार सफल रहे। मुनेंद्र ने 2004 में सीएसआईआर नेट लाइफ साइंस, 2006 एवं 2013 में यूजीसी नेट शिक्षाशास्त्र एवं 2008 में समाज शास्त्र में उत्तीर्ण किया। अब राजनीति विज्ञान में नेट उत्तीर्ण किया।

देवव्रत सिंह ने मास कम्युनिकेशन में 97.21 पर्सनटाइल से असिस्टेंट प्रोफेसर और पीएचडी प्रवेश के लिए परीक्षा पास की।

मनोविज्ञान विभाग से रिशु शर्मा, विशेष मलिक, हदिया अजहर, अंजलि निम, शुभम सागर, दरवेश ने नेट जबकि दिव्यांशी राणा एवं अतिका नईम ने पीएचडी श्रेणी पास की है।

मुदित शर्मा ने अंग्रेजी में असिस्टेंट प्रोफेसर और पीएचडी में नेट उत्तीर्ण किया है।

राष्ट्रहित में अटल खड़े रहते थे वल्लभभाई पटेल

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विवि के तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में आयोजित व्याख्यान के दौरान सरदार पटेल के जीवन पर वक्ताओं ने रोशनी डाली। मुख्य अतिथि प्रो. कृष्णकांत शर्मा ने कहा कि भारत की स्वतंत्रता के बाद, सरदार पटेल को देश के पहले उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री का दायित्व सौंपा गया।

उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती भारत की 562 से अधिक रियासतों का एकीकरण था। अपने अडिग निश्चय, कुशल कूटनीति और कभी–कभी कठोर निर्णयों के माध्यम से उन्होंने इन रियासतों को भारतीय संघ में सम्मिलित किया।

सरदार पटेल की दृढ़ता और राष्ट्रहित में अटल खड़े रहने की शक्ति ने उन्हें लौह पुरुष की उपाधि दिलाई। अजय मित्तल ने कहा कि वे भारत के लिए एक दृढ़ और एकीकृत राष्ट्र का सपना देखते थे और इसे पूरा करने के लिए उन्होंने कोई कसर नहीं छोड़ी। उनका जीवन साहस के साथ राष्ट्रहित में खड़े रहने की प्रेरणा देता है।

तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में आयोजित वीकेंड अभिव्यक्ति में इस बार की भाषण प्रतियोगिता के विषय भारतीय समाज में त्योहारों का महत्व, राष्ट्रीय एकीकरण में सरदार पटेल की भूमिका, ग्रामीण जीवन और शहरी जीवन क्या कमियां, क्या अच्छाइयां था।

विभाग के निदेशक प्रो. प्रशांत कुमार ने पटका पहनाकर और पादप भेंट कर मुख्य अतिथि का स्वागत किया। डॉ. मनोज श्रीवास्तव भाषण प्रतियोगिता के निर्णायक रहे। इस दौरान डॉ. बीनम यादव, निशांत सागर भी मौजूद रहे।

वीकेंड अभिव्यक्ति कार्यक्रम के दौरान विचार व्यक्त करते अजय मित्तल।

शिवम, एकलव्य बने विजेता

मेरठ। सीसीएसयू के तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में शनिवार को वीकेंड अभिव्यक्ति कार्यक्रम हुआ। इस दौरान क्विज और भाषण प्रतियोगिता हुई। क्विज में शुभम यादव और भाषण प्रतियोगिता में एकलव्य तोमर ने पहला स्थान प्राप्त किया।

प्रतियोगिता में शुभम के बाद वंश भाटी ने दूसरा और आर्यन वर्मा व गर्व ने संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मंडल में डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव और डॉ. दीपिका वर्मा शामिल रहीं। इस दौरान डॉ. बीनम यादव, मनु कुमार, ज्योति, कपिल आदि भी उपस्थित रहे। संचालन लव कुमार सिंह ने किया।

बढ़–चढ़कर किया वस्त्रदान

मेरठ। सर छोटूराम इंजीनियरिंग कॉलेज की ओर से 'उन्नत भारत अभियान' के अंतर्गत 19 और 20 नवंबर को जरूरतमंदों के लिए वस्त्रदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लोगों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया और पुराने व अपने लिए अनुपयोगी वस्त्र दान किए।

विश्वविद्यालय के प्रवेश द्वार के निकट इस कार्यक्रम के लिए लगाए गए पंडाल का शुभारंभ कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने किया। इस दौरान कुलपति ने कहा कि कि यह समाज सेवा और पुनः उपयोग को बढ़ावा देने का बहुत अच्छा प्रयास है। कार्यक्रम के दौरान हजारों जरूरतमंदों के लिए वस्त्र एकत्र किए गए।

श्रद्धांजलि...

श्री अजय मित्तल जी के निधन पर तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में शोकसभा का आयोजन किया गया। इस दौरान शिक्षकों ने मित्तल जी के साथ बिताए पलों को याद किया और फिर सभी ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

व्यास समारोह : रोमांचक यौगिक बल प्रयोगों का प्रदर्शन

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में मुख्य द्वार से निकाली गई कलश शोभा यात्रा, कालीचरण चलवैजयंती सीसीएसयू कैंपस को

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग की ओर से आयोजित व्यास समारोह में विद्यार्थियों ने रोमांचित करने वाले यौगिक बल प्रयोगों का प्रदर्शन किया। यौगिक बल प्रदर्शन करते हुए विष्णु, सृष्टि व सपना ने कंठ से सरिया को मोड़कर दिखाया। टीना और इशिका ने वक्षस्थल पर पत्थर तोड़कर और मोहित ने ईंट तोड़कर प्रदर्शन किया। अंशिका, सृष्टि, दीप्ति, दिव्या व अदिति ने दीपदंड त्रोटन का प्रदर्शन किया। इसके बाद योग विज्ञान विभाग और आरजी कालेज के विद्यार्थियों के योगासन देख दर्शक रोमांचित हो उठे।

समारोह के तीसरे दिन के प्रथम सत्र में अंतर्विद्यालययीय वाद–विवाद प्रतियोगिता हुई। सत्राध्यक्ष प्रोफेसर विश्वनाथ सवाई ने विजेता घोषित किए। प्रतियोगिता के बाद संस्कृत विभाग की स्नातक छात्रा टीना ने रोचक शैली में पंचचामर वृत्त में विष्णु गाथा की सुंदर प्रस्तुति दी। अभिराज राजेंद्र मिश्र ने दुर्गा सप्तशती में नारी के भगवती रूप का उदाहरण देते हुए टीना की तुलना कर प्रशंसा की। द्वितीय सत्र में हरिवंश पुराण पर आधारित शोधपत्र वाचन हुए। प्रोफेसर सुधाकराचार्य त्रिपाठी ने हरिवंश पुराण में पुनर्जन्म अवधारणा विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत करते हुए कहा कि हरिवंश पुराण में पांच नाटकों के माध्यम से पांच नृत्य शैलियों में प्रद्युम्न ने जो अभिनय प्रस्तुत किया था, उसमें पुनर्जन्म के पंचतत्व, अग्नि, पर्जन्य, पृथ्वी, स्त्री और पुरुष के स्वरूप के रहस्य को पंचचामर छंद में स्पष्ट किया।

पहले दिन संस्कृत विभाग में श्री कालीचरण पौराणिक पदमावती निधि द्वारा केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय एवं उप्र संस्कृत संस्थान के सहयोग से समारोह का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि व केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय दिल्ली के कुलपति प्रो. श्रीनिवास बरखेडी ने कहा कि संस्कृत केवल भाषा नहीं, आध्यात्मिक रूप में भारत की अखंडता का सूत्र है। यह भारत की आत्मा है। भारत को विश्व गुरु बनाना है तो हमें संस्कृत को अपनाना होगा।

व्यास समारोह के दौरान योगासनों का प्रदर्शन करते विद्यार्थी।

सर्वप्रथम सीसीएसयू के मुख्य द्वार से दोपहर करीब 12 बजे कलश शोभा यात्रा निकाली गई। दोपहर एक बजे कलश यात्रा संस्कृत विभाग में पहुंची जहां हवन व पूजन किया गया। शोभायात्रा के स्वागतकर्ता एवं यज्ञ के मुख्य यजमान कैंट विधायक अमित अग्रवाल रहे। समारोह के कल्पकः प्रो. सुधाकराचार्य त्रिपाठी रहे। मुख्य अतिथि केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय दिल्ली के कुलपति प्रो. श्रीनिवास बरखेडी रहे। सात दिवसीय संस्कृत व्यास समारोह में विभिन्न प्रतियोगिता के विजेता पुरस्कृत किए गए। कथावाचन में टीना प्रथम, अंशिका–दिव्या संयुक्त रूप से द्वितीय एवं सृष्टि तृतीय रहीं। डेजी विशिष्ट स्थान पर रही। कालीचरण पौराणिक स्मार्यित्री चलवैजयन्ती सीसीएसयू कैंपस स्थित संस्कृत विभाग को मिली।

संरक्षक : प्रोफेसर संगीता शुक्ला (कुलपति), **मुख्य संपादक** : प्रोफेसर प्रशांत कुमार, **संपादकीय सलाहकार** : डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव, डॉ. दीपिका वर्मा, डॉ. बीनम यादव, **संपादक** : लव कुमार सिंह, **संपादकीय टीम** : बीएजेएमसी और एमएजेएमसी के छात्र–छात्राएं।

प्लेसमेंट ड्राइव : सर छोटू राम अभियंत्रिकी व तकनीकी संस्थान में केपी रिलायबल कंपनी की प्लेसमेंट ड्राइव में मैकेनिकल ब्रांच के 5 विद्यार्थियों, अनुज निषाद, देवांश पराशर, प्रेमशंकर सिंह, शुभम सिंह व उत्कर्ष राज सिंह का क्वालिटी इंस्पेक्टर प्रोफाइल के लिए चयन किया गया।

तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल के विद्यार्थियों ने बिजली विभाग के राजकीय इंटर कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम के दौरान नुक्कड़ नाटक का मंचन किया। नाटक के जरिये लोगों को स्मार्ट मीटर के संबंध में जागरूक किया गया। विद्यार्थियों के नाटक की अतिथियों और उपस्थित दर्शक समूह ने काफी प्रशंसा की। नाटक में अश्वनी त्यागी, प्रेरणा भारती, शौर्य रे और प्रियांशु चौधरी ने भाग लिया।

ओडिसी शैली में कृष्ण लीला

मेरठ। चरण सिंह विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक साहित्यिक परिषद और स्पिक मैके के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में ओड़िसी नृत्यांगना अरुपा गायत्री पांडा ने सीसीएसयू के अटल सभागार में प्रस्तुति दी। उन्होंने कृष्ण लीला का चित्रण करते हुए दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। एक अलग ही शैली में इस नृत्य प्रस्तुति को देखकर हर कोई दंग रह गया। अरुपा ने तीन साल की उम्र में नृत्य की शुरुआत करने के बाद पद्मश्री गुरु गंगाधर प्रधान, पद्मश्री गुरु अरुणा मोहंती और गुरु मधुस्मिता मोहंती जैसे प्रतिष्ठित गुरुओं से प्रशिक्षण लिया। वर्तमान में वह श्रीश्री विश्वविद्यालय कटक में सहायक प्रो. के रूप में कार्यरत हैं। इस दौरान अरुपा के साथ गायन में राजेश कुमार लेनका, बांसुरी पर रुद्र प्रसाद परिदा और मर्दला पर तारिणी प्रसाद परिदा ने भी योगदान दिया। शुभारंभ मुख्य अतिथि कुलानुशासक प्रो. वीरपाल सिंह, परिषद के अध्यक्ष प्रो. नीलू जैन गुप्ता और प्रो. जमाल अहमद सिद्दीकी ने दीप प्रज्वलित कर किया।

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग में नवागंतुक विद्यार्थियों के लिए फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया। इस दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ मिस्टर और मिस फ्रेशर का चयन हुआ। कार्यक्रम में नव नियुक्त सहायक प्रोफेसर डॉ. देवकी नंदन भट्ट का स्वागत भी किया गया।

अर्थशास्त्र विभाग में पुस्तक विमोचन

मेरठ। सीसीएसयू कैंपस के अर्थशास्त्र विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. संजीव कुमार द्वारा लिखित दो पुस्तक एग्रेरियन इकॉनमी ऑफ उत्तर प्रदेश और द स्टेट ऑफ इंडियन एग्रीकल्चर का विमोचन हुआ। कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला, पूर्व कुलपति प्रो. एनके तनेजा एवं सोसाइटी फॉर पाथवेज टू सस्टेनेबिलिटी के सचिव डॉ. सुरेंद्र सिंह मोर, डीएसडब्ल्यू प्रो. भूपेंद्र सिंह राणा, विभागाध्यक्ष प्रो. रवींद्र कुमार शर्मा, प्रो. अतवीर सिंह, प्रो. दिनेश कुमार ने विमोचन किया। प्रो. सुरेंद्र सिंह मोर ने प्रो. संगीता शुक्ला एवं प्रो. अतवीर सिंह को सम्मानित किया।

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 148वीं जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह के क्रम में विश्वविद्यालय स्थित अटल सभागार में अंतरमहाविद्यालय भाषण, एक पात्रीय नाटक और देशभक्ति एकल गायन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

सीसीएसयू के केंद्रीय पुस्तकालय में बनेगा सेंसस डाटा रिसर्च वर्क स्टेशन

परिसर संवाददाता

मेरठ। उत्तर प्रदेश जनगणना कार्य निदेशालय और गृह मंत्रालय भारत सरकार के संयुक्त निदेशक डा. एसएस शर्मा और सहायक निदेशक पंकज श्रीवास्तव ने चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के राजा महेंद्र प्रताप सेंट्रल लाइब्रेरी का स्थलीय निरीक्षण किया। यह निरीक्षण विश्वविद्यालय में प्रस्तावित सेंसस डाटा रिसर्च वर्क स्टेशन की स्थापना के लिए किया गया।

इससे पहले 12 नवंबर को दोनों अधिकारियों ने कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला और अन्य अधिकारियों के समक्ष एक प्रजेंटेशन में वर्क स्टेशन की

> वर्क स्टेशन शोधकर्ताओं को प्रमाणित और विस्तृत डाटा तक पहुंच प्रदान करेगा

विशेषताओं और उपयोगिताओं की जानकारी दी थी। विश्वविद्यालय ने इसके लिए प्रोफेसर जमाल अहमद सिद्दीकी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। संयुक्त निदेशक डा. शर्मा ने बताया जनगणना के सूक्ष्म स्तर के आंकड़े शोध कार्यों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इन आंकड़ों के माध्यम से समाज के बहुस्तरीय विश्लेषण और सूक्ष्म शोध कार्यों को दिशा मिलती है।

यह वर्क स्टेशन विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को प्रमाणित और विस्तृत डाटा तक पहुंच प्रदान करेगा, जो सामाजिक, आर्थिक, जनसांख्यिकी और नीति निर्माण जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान की गुणवत्ता को बढ़ाने में सहायक होगा।

छात्र इस डाटा का उपयोग प्रोजेक्ट आधारित शिक्षा, इंटरडिसिप्लिनरी अनुसंधान और संख्यात्मक विश्लेषण जैसे क्षेत्रों में कर सकेंगे।

विशेषज्ञों और डाटा वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में वह न केवल अपने शोध कार्यों को सटीकता और प्रभावशाली बना पाएंगे, बल्कि अकादमिक क्षेत्र में नई उपलब्धियां भी हासिल करेंगे।

विशेष रिपोर्ट : विष विज्ञान विभाग

जहर से जिंदगी तक का विज्ञान

अब्दुल्ला हसन

विषविज्ञान एक महत्वपूर्ण विज्ञान है जो विभिन्न प्रकार के विषों और उनके प्रभावों का अध्ययन करता है। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के विष विज्ञान विभाग में सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यरत डॉ.यशवेंद्र के अनुसार, "विषविज्ञान विज्ञान की एक शाखा है जिसमें विभिन्न रासायनिक, जैविक और प्राकृतिक तत्वों के विषैले प्रभावों का अध्ययन किया जाता है।" इस विज्ञान का उपयोग विशेष रूप से औद्योगिक, कृषि और पर्यावरणीय जोखिमों को समझने और उनसे निपटने के लिए किया जाता है।

वर्ष 2004 में स्थापित विषविज्ञान विभाग के साथ डॉ. यशवेंद्र शुरुआती साल से ही जुड़े हुए हैं। वह इसी विश्वविद्यालय के छात्र रहे हैं। उन्होंने बताया कि विष विज्ञान विभाग में परास्नातक स्तर से पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। इस समय विभाग में विभिन्न कोर्स पढ़ाए जा रहे हैं, जिसमें से सार्वजनिक स्वास्थ्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा छात्रों के बीच काफी चर्चित है।

छात्रों की प्लेसमेंट के बारे में डॉ.यशवेंद्र का कहना है कि "हमारे छात्रों को फार्मास्युटिकल कंपनियों, अनुसंधान संस्थानों और सरकारी एजेंसियों में प्लेसमेंट मिलता है।" साथ ही छात्र उच्च शिक्षा और शोध में भी जाते हैं।

इसके साथ ही विभाग में आधुनिक सुविधाओं का समुचित प्रबंध है। यहाँ अत्याधुनिक उपकरणों के साथ शोध करने के लिए चार प्रयोगशालाएं हैं। इनमें जैव रासायनिक विष विज्ञान, जलीय विष विज्ञान, इन विट्रो सुविधा, विषविज्ञान हिस्टोपैथोलॉजी शामिल है।

प्रयोगशाला में छात्रों को रासायनिक तत्वों के विषैले प्रभावों, जलीय जीवों पर विष के प्रभाव के साथ–साथ पर्यावरणीय प्रदूषकों और दवाओं के विषैले प्रभावों पर शोध कार्य कराया जाता है। यूजीसी के नियमों के मुताबिक विभाग में परास्नातक कोर्स के लिए 30 सीटें हैं, जिसमें फिलहाल 21 विद्यार्थी प्रथम वर्ष और 28 विद्यार्थी द्वितीय वर्ष में हैं।

विष विज्ञान एक महत्वपूर्ण और व्यापक क्षेत्र है और इस विभाग में छात्रों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं और अवसर उपलब्ध हैं। बेहतर प्लेसमेंट और आधुनिक प्रयोगशालाओं के साथ, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय का यह विभाग विष विज्ञान के क्षेत्र में करियर बनाने की इच्छा रखने वाले छात्रों के लिए एक उत्कृष्ट स्थान है।

भारत में पौधे विकसित करके संभव हुई हींग और ट्यूलिप की खेती

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के नेताजी सुभाष चंद्र बोस प्रेक्षागृह में भारतीय वनस्पति सोसायटी के सहयोग से 47वें वार्षिक सम्मेलन व अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। तीन दिवसीय संगोष्ठी में विशेषज्ञों और विज्ञानियों ने वनस्पतियों के महत्व, उनके अनुकूलन तंत्र और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का विस्तृत विश्लेषण किया।

संगोष्ठी में मुख्य अतिथि एग्रीकल्चरल साइंटिस्ट रिक्रूटमेंट बोर्ड के चेयरमैन प्रो. संजय कुमार ने कहा कि अफगानिस्तान में पैदा होने वाली व भारत में अत्यधिक इस्तेमाल होने वाले हींग के पौधे, नीदरलैंड से आयातीत होने वाले ट्यूलिप लिली जैसे पौधों को कृषि अनुसंधान केंद्र में विकसित कर भारत में खेती शुरू कर दी गई है। लेह में जहां कोई फूल नहीं आता था वहां ट्यूलिप लिली आदि की अभूतपूर्व किस्में उगाकर करोड़ों रुपये की आमदनी की जा रही है।

उन्होंने बताया कि अयोध्या में राम

> वानस्पतिक सोसायटी का वार्षिक सम्मेलन और अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी

मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर ट्यूलिप से लदे कई ट्रक भेजे गए थे। आने वाले समय में नेक्स्ट जेन रिमोट सेंसिंग अनुप्रयोगात्मक पारंपरिक वानस्पतिक ज्ञान को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। प्रो. संजय ने बताया कि उनके शोध के परिणामस्वरूप आज 56 स्टार्टअप विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे हैं, जिसने नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा दिया है।

कार्यक्रम अध्यक्ष सीसीएसयू की कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने कहा कि देश में उन्नत विकसित स्ट्रेस रोधक किस्मों को पहचानने, उसके अनुसार अनुकूलित फसलों, औषधीय पादपों को इंडस्ट्री की सहायता से प्रचारित कर जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है।

कार्यक्रम संयोजक प्रो. जितेंद्र सिंह ने कहा कि पौधों की जैविक प्रक्रियाओं और पारिस्थितिक तंत्रों की संरचना में जलवायु परिवर्तन व्यापक बदलाव लाता है। इंडियन बाटनिकल सोसायटी के अध्यक्ष प्रो. उमेश चंद्र लवानिया ने बताया कि संस्था 1920 से कार्यरत है और विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

संगोष्ठी में लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से प्रो. एसके सोपोरी और प्रो. पीके गुप्ता को सम्मानित किया गया। इनके अलावा सात अन्य वरिष्ठ विज्ञानियों और 10 सोसाइटी के वरिष्ठ सदस्यों को भी उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए पुरस्कार दिए गए। पांच वैज्ञानिक सत्रों में 15 विज्ञानियों ने शोध कार्य प्रस्तुत किए।

विश्वविद्यालय में पहला सम्मेलन वर्ष 1978 में प्रो. वाईएस मूर्ति ने कराया था। संस्था 18 अक्टूबर को उनकी 100वीं जयंती भी मना रही है। संगोष्ठी में सोसायटी के सचिव सेशू लवानिया, उपाध्यक्ष प्रो. वर्षा नाथन, कोषाध्यक्ष डा. आलोक श्रीवास्तव, मुख्य संपादक प्रो. वाई. विमला उपस्थित रहीं।

पुस्तक प्रदर्शनी : संविधान दिवस पर राजा महेंद्र प्रताप पुस्तकालय में सात दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. जे.ए. सिद्दीकी ने कहा कि हर घर में संविधान होना चाहिए, ताकि नागरिक अधिकारों को जानें।

परमवीर वंदनम कार्यक्रम के दौरान देवी सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित करते (बाएं) और मंचासीन (दाएं) अतिथि।

सैनिकों की शौर्य गाथा सुन रोमांचित हुए युवा

विवि में आयोजित परमवीर वंदनम कार्यक्रम में सैन्य अधिकारियों ने सुनाई आर्मी ऑपरेशन की सच्ची घटनाएं

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय ने गुरुवार 21 नवंबर को इनिशिएटिव आफ मोरल एंड कल्चरल ट्रेनिंग फाउंडेशन (आईएमसीटीएफ) के सहयोग से परमवीर वंदनम कार्यक्रम आयोजित किया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस सभागार में हुए कार्यक्रम में छात्रों ने 21 परमवीर चक्र अलंकृत वीर सपूतों के बलिदान व योगदान को नमन करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान सशस्त्र बलों के अधिकारियों ने युवाओं को आंतकियों के खिलाफ हुए आपरेशनों की जानकारी देकर जोश भरा।

परमवीर वंदनम कार्यक्रम की शुरुआत विवि वीसी प्रो. संगीता शुक्ला की अध्यक्षता में दीप प्रज्ज्वलन तथा वंदे मातरम से हुई। अखिल भारतीय संयोजक तथा राष्ट्रीय समन्वयक (आईएमसीटीएफ) गुणवंत सिंह कोठारी, मुख्य अतिथि प्रो. एनके तनेजा (पूर्व कुलपति चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय) रहे। इस दौरान चेतन चीता कमांडेंट सीआरपीएफ (कीर्ति चक्र), अमित कुमार सहायक कमांडेंट सीआरपीएफ (शौर्य चक्र) सहित सैन्य अधिकारियों की उपस्थिति रही।

आईएमसीटीएफ के राष्ट्रीय संयोजक गुणवंत सिंह कोठारी ने फाउंडेशन के छह प्रमुख उद्देश्यों, वन एवं वन्य जीवों का संरक्षण, पारिस्थितिकी संवर्धन, पर्यावरण संरक्षण, पारिवारिक एवं मानवीय मूल्यों की वृद्धि, नारी सम्मान और राष्ट्रभक्ति भाव जागरूक की जानकारी देते हुए कहा कि इसका मूल उद्देश्य भारत वंदनम है।

उन्होंने कहा कि भारत में हमेशा कर्तव्य यानी ड्यूटी आधारित व्यवस्था रही है। लेकिन अब अधिकार यानी राइट्स आधारित सामाजिक परिवर्तन किया जा रहा है जो खतरनाक मनोवैज्ञानिक बदलाव है, जिसे युवाओं को रोकना होगा।

काकोरी कांड पर आधारित नाटक प्रस्तुत करते तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल के छात्र।

मुख्य अतिथि व पूर्व कुलपति प्रोफेसर एनके तनेजा ने कहा कि युवा पीढ़ी को अर्बन नक्सलिज्म, डीप स्टेट और कल्चरल मार्क्ससिज्म को रोकना होगा। कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने अतिथियों का स्वागत और अभिनंदन किया।

विद्यार्थियों ने 21 परमवीर चक्र अलंकृत का परिचय देते हुए तीन जीवित वीरों को छोड़कर अन्य की तस्वीर पर माल्यार्पण कर दीया जलाकर श्रद्धांजलि दी। दीवान पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने गणेश वंदन से कार्यक्रम की शुरुआत की। छावनी में सेना की ओर से बनाई गई धरोहर पर एक डाक्यूमेंट्री दिखाई गई। तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल के विद्यार्थियों ने काकोरी ट्रेन एक्शन के घटनाक्रम का जीवंत मंचन किया। विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीतों पर प्रस्तुतियां देते हुए सीआरपीएफ के कमांडेंट चेतन चीता के बांदीपोरा आपरेशन का मंचन भी किया।

मंच से सच्ची घटना का जिक्र करते हुए चेतन चीता ने बताया कि कैसे उनकी टुकड़ी के पहुंचते ही आतंकियों ने एके–47 से बर्स्ट फायर कर दिया। एक साथ चली 30 गोलियों में से 9 चेतन के शरीर में धंस गई थीं। उन्होंने काउंटर अटैक में एक आतंकी को ढेर कर दिया। उन्होंने कुल 16 राउंड फायर किए थे और तीन आतंकियों को मार गिराया था। चेतन चीता ने टीमवर्क की बदौलत मिली जीत का जिक्र किया।

सीआरपीएफ में असिस्टेंट कमांडेंट अमित कुमार ने विद्यार्थियों से जीवन में हर कार्य क्षेत्र में ईमानदारी से काम करने को कहा। गुणवंत सिंह कोठारी ने कहा कि एक व्यक्ति का माइंडसेट उसके जीवन का निर्धारण करता है। कर्नल राजेश त्यागी ने असम में उल्फा आतंकियों के खिलाफ चले आपरेशन बलवान की जानकारी दी।

इस दौरान डा. वंदना (ऑर्गनाइजिंग सेक्रेट्री), डा. स्वाति अग्रवाल, डा. राहुल शर्मा, डा. रवि प्रकाश, डा. नेहा, डा. शिवम, डा. केपी सिंह, डा. मानव बंसल, डा. अर्पित छाबड़ा, डा. निधि भाटिया, डा. मुक्ति, डा. रानू गर्ग, इंजी. प्रवीण पंवार, डा. निखिल, मितेंद्र गुप्ता, डा. स्वाति शर्मा, डा. रीना सिंह, डा. अजय कुमार, डा. मीनू तेवतिया, डा. पंकज आदि मौजूद थे।

परमवीर वंदनम कार्यक्रम के दौरान नृत्य प्रस्तुत करतीं छात्राएं (बाए) और परमवीर चक्र विजेताओं के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित करते विद्यार्थी (दाएं)।